https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

नई दिल्ली | के.वि.सं. (मु.)

संस्करण: नवंबर 2025
वर्ष-1, अंक- 5
4 पृष्ठ

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

संपादकीय

एनईपी 2020 का सशक्त कार्यान्वयन

देश भर में खुलेंगे 57 नए केन्द्रीय विद्यालय

भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नागरिक क्षेत्र के अंतर्गत 57 नए केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना को मंज़ूरी दी है। यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विज़न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस विस्तार के लिए सरकार ने ₹5,863.55 करोड़ की अनुमानित लागत को स्वीकृति दी है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और प्रभावी प्रारंभिक शिक्षण को बढ़ावा देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वर्तमान में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 1,290 विद्यालयों में लगभग 13.62 लाख विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। नए विद्यालयों की स्थापना से लगभग 86,640 अतिरिक्त विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, जिससे विशेष रूप से शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में सुलभ और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा का विस्तार होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, सभी नए केन्द्रीय विद्यालयों में बालवाटिका कक्षाएं (1, 2 और 3) प्रारंभ की जाएँगी ताकि प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त किया जा सके। प्रत्येक विद्यालय दो सेक्शन वाला होगा और कक्षा XII तक शिक्षा प्रदान करेगा, जिससे विद्यार्थियों को एक सतत और समग्र शिक्षण यात्रा प्राप्त होगी।

इन विद्यालयों की स्थापना से लगभग 4,617 शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे, जिससे शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। विद्यालय भवनों का निर्माण वित्तीय वर्ष 2026–27 से 2030–31 के बीच चरणबद्ध रूप से किया जाएगा, जिनमें आधुनिक अवसंरचना और तकनीक-सक्षम शिक्षण वातावरण की व्यवस्था होगी, जैसा कि एनईपी 2020 में परिकल्पित है। 57 नए केन्द्रीय विद्यालयों की स्वीकृति भारत सरकार की इस दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि देश में शिक्षा को अधिक समावेशी, समान और भविष्योन्मुखी बनाया जाए — ताकि हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर एक सक्षम और आत्मविश्वासी नागरिक के रूप में विकसित हो सके।

~प्राची पाण्डेय
■ आयुक्त

डिजिटल इंडिया के साथ के.वि.सं. की कदमताल

यूपीआई के माध्यम से फीस भुगतान बन गया आसान

सत्य नारायण गुलिया
■ संयुक्त आयुक्त (वित्त), के.वि.सं. (मु.)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के रूप में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। देशभर के 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों की फीस का प्रबंधन अब यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। यह सुविधा **1 जनवरी 2024** से प्रभावी हुई है, जिससे शुल्क भुगतान प्रक्रिया और अधिक **पा**रदर्शी, सुरक्षित एवं सरल बन गई है।

डिजिटल परिवर्तन में अग्रणी के.वि.सं.

जनवरी 2024 में के.वि.सं. ने अपने शुल्क संग्रहण तंत्र को **भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस)** से जोड़ा, जो डिजिटल लेनदेन के लिए एक सुरक्षित और एकीकृत राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म है। अब अभिभावक **BHIM UPI, Google Pay, PhonePe, Amazon Pay** सहित **400 से अधिक बीबीपीएस-सक्षम प्लेटफार्मों**, बैंकों और एनबीएफसी के माध्यम से आसानी से फीस जमा कर सकते हैं।

इस पहल ने भुगतान के विकल्पों को विस्तार दिया है और इसे नई दिशा प्रदान की है। यह कदम के.वि.सं. की उस दूरदर्शी सोच को दर्शाता है, जो देशभर में शुल्क भुगतान प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल और सभी के लिए सुलभ बनाना चाहती है।

डिजिटल परिवर्तन की यात्रा

वर्ष **2013–14** तक केन्द्रीय विद्यालयों में फीस संग्रहण का कार्य पारंपरिक रूप से **शिक्षकों द्वारा मैनुअल तरीके** से किया जाता था। वर्ष **2014–15** में के.वि.सं. ने देशभर में ऑनलाइन बैंकिंग आधारित शुल्क भुगतान प्रणाली शुरू की। अब बीबीपीएस एकीकरण के साथ यह प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल, पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल हो गई है।

यह पहल भारत के सबसे बड़े विद्यालय नेटवर्क में वित्तीय डिजिटलीकरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हुई है, जो के.वि.सं. की नवाचार, दक्षता और सुशासन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि **केंद्रीय विद्यालय संगठन**, *डिजिटल इंडिया मिशन* के तहत देश के डिजिटल रूपांतरण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

के.वि.सं. की अन्य प्रमुख डिजिटल उपलब्धियाँ

ई-पेंशन पोर्टल: 1 अप्रैल 2023 को शुरू किया गया यह पोर्टल **पेंशन प्रसंस्करण को स्वचालित** बनाता है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समयबद्ध और पारदर्शी लाभ सुनिश्चित होता है।

क्लाउड-आधारित टैली अकाउंटिंग सिस्टम: 1 अप्रैल 2024 से देशभर के सभी विद्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों और जीट्स में लागू यह सिस्टम वित्तीय प्रबंधन और निगरानी को *रियल-टाइम* और *ऑनलाइन* बना रहा है।

इन पहलों ने प्रशासनिक और वित्तीय क्षेत्रों में पारदर्शिता, दक्षता और डिजिटल उत्कृष्टता की दिशा में के.वि.सं. को एक प्रेरणादायक अग्रदूत के रूप में स्थापित किया है। यह परिवर्तन शिक्षा प्रशासन में स्मार्ट गवर्नेंस और नवाचार का नया अध्याय लिख रहा है।

स्पेशल कैम्पेन 5.0

स्वच्छता और सुशासन की ओर कदम

1 से 31 अक्टूबर 2025 तक पूरे के.वि.सं. में स्पेशल कैम्पेन 5.0 का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वच्छता को जन आंदोलन के रूप में रूपांतरित करने का संकल्प लिया गया। अभियान के तहत रिकॉर्ड प्रबंधन, कार्यालय स्वच्छता और अनावश्यक वस्तुओं के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया गया। पुराने दस्तावेजों को व्यवस्थित रूप से श्रेणीकृत कर निपटाया गया, जिससे कार्यस्थलों में सुव्यवस्था और दक्षता आई। इसके साथ ही डिजिटलीकरण और ई-ऑफिस प्रणाली को बढ़ावा दिया गया, जिससे पारदर्शिता और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। प्रत्येक विभाग ने "स्वच्छ, सुव्यवस्थित और जिम्मेदार कार्यस्थल" के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके साथ ही डिजिटलीकरण और ई-ऑफिस प्रणाली को प्रोत्साहित किया गया, जिससे पारदर्शिता और उत्पादकता में वृद्धि हुई। इसके अलावा प्रत्येक विभाग ने "स्वच्छ, सुव्यवस्थित और जिम्मेदार कार्यस्थल" के निर्माण में सराहनीय योगदान दिया।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय गोमोह

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह-2025

समय की मांग है विद्यार्थियों का भावनात्मक सशक्तिकरण

विनोद कुमार
■ उपायुक्त (शै.), के.वि.सं. (मु.), दिल्ली

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने 4 से 10 अक्टूबर 2025 तक एनसीईआरटी की प्रमुख पहल 'मनोदर्पण' के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल के माध्यम से संगठन ने अपने उस दृष्टिकोण को पुनः पुष्ट किया, जिसके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में आत्म-जागरूकता, संवेदनशीलता और भावनात्मक संतुलन का विकास भी है। सप्ताह का मुख्य उद्देश्य विद्यालय जीवन में स्व-जागरूकता, सहानुभूति और मानसिक संतुलन को दैनिक अनुभवों का हिस्सा बनाकर युवाओं को मानसिक रूप से सुदृढ़, आत्मविश्वासी एवं दयालु नागरिक बनाना था।

देशभर के विद्यालयों में सक्रिय भागीदारी

इस अवसर पर देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में विविध रचनात्मक एवं अभिव्यक्तिगत गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। गतिविधियों में कृतज्ञता दीवार, हैप्पीनेस कॉर्नर, योग एवं ज़ुम्बा सत्र, माइंडफुल ब्रीदिंग, फायरलेस कुकिंग, आर्ट थैरेपी वर्कशॉप, कहानी वाचन सत्र, और सहपाठी परामर्श कार्यक्रम प्रमुख रहे। बालवाटिका के बच्चों के लिए 'जॉयफुल मी' क्राफ्ट गतिविधियाँ और भावनाओं की पहचान पर आधारित खेल आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने कृतज्ञता पात्र तैयार किए और दयालुता, तनाव प्रबंधन एवं भावनात्मक संतुलन पर लघु फ़िल्में तैयार कर सकारात्मक संदेश प्रसारित किए। इन गतिविधियों ने विद्यालय परिसरों में सौहार्द, आत्मचिंतन और प्रेरणा का माहौल बनाया।

'थेरेपी थर्सडे – हीलिंग विद हैपिनेस' रहा आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रमों की श्रृंखला में 9 अक्टूबर को आयोजित 'थेरेपी थर्सडे – हीलिंग विद हैपिनेस' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर श्री आनंदराव वी. पाटिल, अतिरिक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय, ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय का दौरा किया। उनके साथ सुश्री चंदना मंडल अपर आयुक्त (शै.) और श्री विनोद कुमार सनवाल, प्रोफेसर एवं प्रभारी, मनोदर्पण प्रकोष्ठ, एनसीआरटी, उपस्थित रहे। श्री पाटिल ने अपने प्रेरक संबोधन में 'मनोदर्पण' पहल के सफल क्रियान्वयन में केन्द्रीय विद्यालय संगठन की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का पोषण प्रारंभिक अवस्था से ही आवश्यक है, जिसे खुली चर्चा, सहानुभूति और सहपाठी सहयोग के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है। समापन अवसर पर ने पुनः यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समग्र शिक्षा व्यवस्था का बुनियादी स्तंभ है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन विद्यार्थियों के भावनात्मक कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

"मेरी पीढ़ी की सबसे बड़ी खोज यह है कि मनुष्य अपने मन के दृष्टिकोण को बदलकर अपने जीवन को बदल सकते हैं।

- विलियम जेम्स

सफलता की कहानी और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियां

के.वि. के विद्यार्थियों ने ग्लोबल यूथ इंस्टीट्यूट 2025 में किया भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली: केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमता का परिचय देते हुए ग्लोबल यूथ इंस्टीट्यूट 2025 में जगह बनाई। 21 से 23 अक्टूबर 2025 तक डेस मोइन्स, आयोवा, अमेरिका में विश्व फूड प्राइज फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्लोबल यूथ इंस्टीट्यूट 2025 में केन्द्रीय विद्यालय के 4 विद्यार्थियों ने भारत का प्रतिनिधित्व कर अंतराष्ट्रीय स्तर पर के.वि.सं. का गौरव बढ़ाया। इन विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (NAAS) द्वारा संचालित NAAS-YUVA चयन अभियान 2025 के तहत किया गया। जहां इन्होंने क्विज़, शोध प्रस्तुति और विशेषज्ञ द्वारा लिए गए साक्षात्कार जैसे चरण पार करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया।

देश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव अर्जित करने वाले विद्यार्थी:

श्रुति के. पी.
पीएम श्री के.वि.
कोयंबटूर
(चेन्नई, संभाग)

तनुजा प्रेमानंद
पीएम श्री के.वि.
छत्रपति संभाजीनगर
छावनी (मुंबई, संभाग)

संयुक्ता दलाल
पीएम श्री के.वि.
वायुसेना नगर
नागपुर (मुंबई, संभाग)

मास्टर राजीव
पीएम श्री के.वि.
हरसिंगपुरा
करनाल (गुरुग्राम, संभाग)

वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक विशेषज्ञों के साथ किया संवाद

विश्वभर से आए 185 से अधिक युवा प्रतिनिधियों के साथ भारतीय छात्र-छात्राओं ने वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक विशेषज्ञों से संवाद किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध *बॉर्लॉग डायलॉग* से हुई, जिसमें डॉक हेंडली, वैलेरी गुआर्निएरी और रोड्रिगो सैंटोस जैसे वैश्विक परिवर्तनकारी नेताओं ने प्रेरक वक्तव्य दिए। साथ ही सिएरा लियोन के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री हेनरी मूसा क्पाका ने विशेष संबोधन किया, जबकि विश्व फूड प्राइज फाउंडेशन की अध्यक्ष मशाल हुसैन ने समापन भाषण दिया। प्रतिभागियों ने जैव प्रौद्योगिकी, सतत कृषि, वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं नवाचार पर आधारित सत्रों और शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। यह उपलब्धि के.वि.सं. की शिक्षा मॉडल की उस प्रतिबद्धता का परिचायक है, जो विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और वैश्विक सोच के माध्यम से एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माता के रूप में तैयार कर रही है।

एक मिनट स्वच्छता के नाम
आज का एक मिनट, कल का स्वच्छ भारत

नीलम शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षक (कॉमर्स), के.वि. आईआईटी गुवाहटी

केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी गुवाहटी में स्वच्छता को नई दिशा और अर्थ देने वाली एक अनूठी पहल "एक मिनट स्वच्छता के नाम" ने विद्यालय के वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल पेश की है। जहाँ एक मिनट का समय साधारण दैनिक क्रियाओं — जैसे कॉफ़ी गर्म करने या जूते बांधने — में बीत जाता है, वहीं हमारे विद्यालय में यह एक मिनट स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गया है।

हर दिन 2:09 बजे स्वच्छता का संकल्प

इस पहल के अंतर्गत प्रतिदिन ठीक 2:09 बजे, स्वच्छ भारत गीत की धुन बजते ही पूरा विद्यालय सक्रिय हो उठता है। बातचीत थम जाती है और कक्षा में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति सफाई में जुट जाता है। विद्यार्थी और कर्मचारी डेस्क साफ करते हैं, कचरा डस्टबिन में डालते हैं, पंखे–लाइट बंद करते हैं और खिड़कियाँ सुव्यवस्थित रूप से बंद करते हैं। 2:10 बजे तक कक्षाएँ स्वच्छ, व्यवस्थित और अगले दिन के लिए तैयार हो जाती हैं।

छोटा प्रयोग बना प्रेरणादायक मिशन

आरंभ में यह एक साधारण प्रयोग था, लेकिन अब यह विद्यालय की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा और प्रेरणादायक परंपरा बन चुका है। विद्यार्थियों ने इसे केवल स्वच्छता का अभ्यास नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान, अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बना दिया है।

विद्यालय के वातावरण में स्पष्ट बदलाव देखा गया है —

- कक्षाएँ अधिक स्वच्छ और व्यवस्थित हो गई हैं।
- विद्यार्थी अधिक जागरूक हो गए हैं।
- सफाई कर्मचारियों के कार्य में सुगमता आई है तथा उन्हें सम्मान की अनुभूती हुई है।

सिर्फ सफाई नहीं, जीवन मूल्यों का पाठ

यह पहल विद्यार्थियों में स्वच्छता के साथ-साथ टीमवर्क, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना विकसित कर रही है। यह बताती है कि परिवर्तन के लिए हमेशा बड़े कदमों की आवश्यकता नहीं होती — कभी-कभी सिर्फ 60 सेकंड का सामूहिक संकल्प भी बड़ा बदलाव ला सकता है। के.वि. आईआईटी गुवाहटी में यह "एक मिनट" अब सिर्फ समय नहीं, बल्कि स्वच्छ भविष्य का दैनिक वचन है।

तनाव नहीं, मुस्कान चुनो
के.वि. मासिमपुर में बच्चों को मिला तनाव निवारण पात्र

कल्याणी चौधरी
स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी), पीएम श्री के.वि. मासिमपुर

तनाव अक्सर अदृश्य होता है—मन पर धीरे-धीरे भार बनकर बैठता है। लेकिन पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, मासीमपुर ने इस अदृश्य बोझ से निपटने के लिए एक अभिनव कदम उठाते हुए "तनाव निवारण पात्र" पहल की शुरुआत की है। यह पहल विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, भावनात्मक प्रबंधन सिखाने और संवाद की खुली संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

क्या है 'तनाव निवारण पात्र'?

इस पहल के तहत विद्यार्थी कुछ मिनट लेकर अपनी चिंताओं—जैसे परीक्षा का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएँ या व्यक्तिगत समस्याएँ—एक छोटी पर्ची पर लिखकर विशेष रूप से सजाए गए तनाव निवारण पात्र में डालते हैं। इसमें विद्यार्थियों की पहचान गोपनीय रखी जाती है, जिससे उन्हें अपनी भावनाएँ निःसंकोच व्यक्त करने का अवसर मिलता है। शिक्षक इस प्रक्रिया के दौरान संवेदनशील श्रोता की भूमिका में रहते हुए विद्यार्थियों की भावनाओं को समझने का प्रयास करते हैं।

विद्यालय की महत्वपूर्ण पहल

विद्यालय के अनुसार, यह प्रयास केवल तनाव कम करने की पहल नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं को स्वीकारने, साझा करने और संतुलित रूप से प्रबंधित करने की सीख भी देता है। विद्यार्थियों ने इस गतिविधि को उपयोगी, सुकून देने वाला और प्रेरक अनुभव बताया है। इससे विद्यालय में सकारात्मक और भावनात्मक वातावरण का निर्माण हुआ है और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर इसका सकारात्मक प्रभाव देखा जा रहा है।

तनाव निवारण पात्र कैसे काम करता है:

- विद्यार्थी अपनी चिंताओं, डर या व्याकुलताओं को छोटी कागज़ की पर्चियों पर लिखते हैं।
- पर्चियाँ सजाए गए पात्र में डाली जाती हैं।
- शिक्षक मौन श्रोता की भूमिका निभाते हैं, इसके बाद विद्यार्थियों के साथ तनाव से निपटने पर विचार-विमर्श किया जाता है।

एक सकारात्मक परंपरा की ओर कदम

विद्यालय प्रशासन और शिक्षक वर्ग का विश्वास है कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता समय की आवश्यकता है। "तनाव निवारण पात्र " न केवल एक गतिविधि है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और भावनात्मक संतुलन सिखाने वाला प्रेरणादायी मंच भी है। विद्यालय ने इस पहल को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया है, ताकि विद्यार्थी जीवन के हर चरण में मानसिक रूप से सशक्त और आत्मविश्वासी बन सकें।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन और आईआईटी दिल्ली के बीच हुआ करार

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2025

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (STEM) शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस दिशा में के.वि.सं. ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह किसी भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ के.वि.सं. का पहला औपचारिक सहयोग है, जो विद्यालय स्तर पर STEM शिक्षा के परिदृश्य को और अधिक सशक्त, अभिनव तथा व्यावहारिक बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर नई दिल्ली स्थित आईआईटी दिल्ली परिसर में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान किए गए। इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय संगठन की आयुक्त सुश्री प्राची पांडेय तथा आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समझौते पर के.वि.सं. की ओर से श्री दीपेश गहलोत, अपर आयुक्त (प्रशासन) और आईआईटी दिल्ली की ओर से प्रोफेसर धन्या, डीन ने हस्ताक्षर किए।

समारोह के दौरान दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने "ऑफिस ऑफ एकेडमिक आउटरीच एंड न्यू इनिशिएटिव्स" की पहलों पर भी विस्तृत चर्चा की। यह कार्यालय आईआईटी दिल्ली की उस दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके माध्यम से देशभर के विद्यालयों और महाविद्यालयों तक उच्च शिक्षा संस्थानों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान दृष्टिकोण को पहुँचाया जा सके।

यह सहयोग के.वि.सं. और आईआईटी दिल्ली के बीच ज्ञान, अनुसंधान, और क्षमता निर्माण के नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, और अनुसंधान-आधारित शिक्षण मॉड्यूल विकसित करेंगे, जिससे विद्यालय स्तर पर वैज्ञानिक शिक्षा को अधिक रोचक, अनुभवात्मक और प्रयोग-आधारित बनाया जा सके। यह पहल विद्यार्थियों में कम उम्र से ही वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करेगी।

कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के अधिकारियों ने इस सहयोग के आगामी चरणों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें STEM इनोवेशन कैंप्स, शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल, छात्र-अभिनव मंच, और विज्ञान-प्रदर्शनी आधारित इंटरेक्टिव प्रोग्राम शामिल हैं। यह एमओयू न केवल STEM शिक्षा में गुणवत्ता संवर्द्धन का माध्यम बनेगा, बल्कि यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नयी संभावनाओं के द्वार भी खोलेगा। यह कदम भारत में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को विद्यालयी स्तर से ही सशक्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी पहल के रूप में दर्ज होगा।

के.वि.सं. के लिए बड़ी उपलब्धि

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की "आईआईटी दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ यह साझेदारी के.वि.सं. के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल के.वि.सं. के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाएगी, बल्कि विद्यार्थियों को भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दुनिया से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि यह सहयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप है, जो शिक्षा को अधिक समग्र, कौशल-आधारित और भविष्योन्मुख बनाने पर बल देती है।

स्पेशल स्टोरी

विकसित भारत बिल्डाथॉन-2025
आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में के.वि.सं. की सहभागिता

मनोज कुमार पांडेय
सहायक आयुक्त (आईटी), के.वि.सं. मुख्यालय

शिक्षा मंत्रालय और अटल इनोवेशन मिशन के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किया गया विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने की ऐतिहासिक पहल है। यह राष्ट्रीय पहल, विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को मजबूती से आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कदम है।

आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत जैसे विषयों के आधार पर बिल्डाथॉन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि भविष्य के समस्या-समाधानकर्ताओं और नवोन्मेषी नेतृत्व को तैयार करने का अभियान है, जो देश को तकनीकी रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएंगे।

यह कार्यक्रम 23 सितंबर 2025 को मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। इसमें 28 अक्टूबर 2025 तक, 1,63,207 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कर लिया है, जिन्होंने 27,617 शिक्षकों के मार्गदर्शन में 35,405 टीमों का गठन किया। यह उपलब्धि केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सामूहिक भावना, समन्वय और नवाचार क्षमता का शानदार उदाहरण है।

उद्घाटन दिवस पर मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने पीएम श्री के.वि. नं. 2, दिल्ली कैंट का दौरा किया और युवा नवोन्मेषकों से संवाद कर उनके आत्मविश्वास और रचनात्मकता की सराहना की। इस अवसर पर के.वि.सं. की आयुक्त श्रीमती प्राची पाण्डेय, एआईएम के मिशन निदेशक श्री दीपक बागला, शिक्षा मंत्रालय के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. अभय जेरे, के.वि.सं. के अपर आयुक्त (प्रशा.) श्री दीपेश गहलोत, अपर आयुक्त (शै.) सुश्री चंदना मंडल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अभियान की गति को और सशक्त करते हुए, 13 अक्टूबर 2025 को सभी केन्द्रीय विद्यालयों में राष्ट्रव्यापी लाइव स्ट्रीमिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान 14 केन्द्रीय विद्यालयों को "स्पॉटलाइट के.वि." के रूप में चयनित किया गया, जिनमें पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एनएडी अलुवा (एर्णाकुलम), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय जमालपुर (पटना) और पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कारगिल (जम्मू) शामिल हैं, जिन्होंने एआईएम अधिकारियों के साथ लाइव संवाद किया।

विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 नवाचार-आधारित शिक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने में केन्द्रीय विद्यालय संगठन की प्रतिबद्धता का प्रेरणादायक उदाहरण है। यह पहल हर विद्यार्थी को सोचने, सृजन करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए सशक्त बना रही है।

मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, दिल्ली कैंट का दौरा किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने अभिनव प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए और शिक्षा मंत्री से संवाद कर अपने विचार साझा किए। मा. मंत्री ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, तकनीकी समझ और नवोन्मेष दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन देश में रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को साकार करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य के नवप्रवर्तक और उत्तरदायी नागरिक बनने की दिशा की तरफ भी प्रेरित करते हैं।

जरूरी तथ्य

- **लॉन्च तिथि:** 23 सितंबर 2025 से 24 अक्टूबर 2025 तक
- **पंजीकृत प्रतिभागी:** 1,63,207 विद्यार्थी
- **गठित टीमें:** 34,405
- **मेंटर्स (शिक्षक):** 27,617

संस्कृत प्रवाह

विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मं ततः सुखम्॥

Meaning

विद्या विनम्रता देती है, विनम्रता से पात्रता आती है। पात्रता से धन मिलता है, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है।

नवीनतम प्रकाशन

पढ़ने के लिए स्कैन करें

माह का वीडियो

देखने के लिए स्कैन करें!

'कचरा' — *के.वि. एस.ई.सी.एल. जमुना कोलियरी, अनूपपुर (म.प्र.) के प्रतिभाशाली स्टाफ और विद्यार्थियों द्वारा निर्मित एक लघु फिल्म।*

#स्पेशल कैम्पेन 5.0

विचारणीय विचार

"इस मिट्टी में कुछ खास है, जो कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का आवास रही है।"

~ सरदार वल्लभभाई पटेल

अक्टूबर 2025 की झलकियाँ

विद्यार्थियों ने किया लौह पुरुष सरदार पटेल को नमन

31 अक्टूबर 2025 को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। सरदार पटेल के अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने भावपूर्वक स्मरण किया। इसके उपरांत विद्यालयों में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ 'एकता प्रतिज्ञा' ली गई। एकता, अखंडता और देशभक्ति के संदेश से गूंजते प्रांगणों में विद्यार्थियों में देश के प्रति समर्पण और गर्व की भावना देखने को मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही रन फॉर यूनिटी, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और के.वि.सं. परिवार के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जोश और उमंग से भरे इस आयोजन ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामूहिक शक्ति के संदेश को प्रभावशाली ढंग से जन-जन तक पहुँचाया।

पोषण माह: स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार

देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में 17 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 तक "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान एवं पोषण माह" का आयोजन किया गया। यह पहल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के नेतृत्व में संचालित की गई थी, जिसका मुख्य विषय था "पोषण भी पढ़ाई भी"। अभियान के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने संतुलित आहार और स्वच्छता का पालन करने की शपथ ली। इसके साथ ही उन्होंने चीनी, नमक और तेल के सेवन को कम करने का संकल्प भी लिया। विशेष ध्यान गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए सही पोषण और स्थानीय, पारंपरिक एवं पौष्टिक आहारों के उपयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित किया गया। पोषण माह के दौरान अभिभावकों के लिए रोकथाम आधारित स्वास्थ्य कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, वहीं स्थानीय महिला कारीगरों और उद्यमियों की प्रदर्शनी भी रखी गई। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों में पोषण और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।

क्षेत्रिय मैथ्स ओलंपियाड में के.वि. के विद्यार्थी हुए चयनित

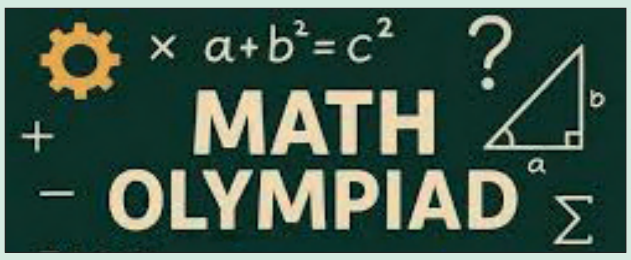

केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए रीजनल मैथमैटिक्स ओलंपियाड (आरएमओ) 2025 के लिए क्वालीफाई किया। केन्द्रीय विद्यालय के 290 विद्यार्थियों का चयन इस ओलंपियाड में इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथमेटिक्स (आईओक्यूएम) 2025 के माध्यम किया गया। केन्द्रीय विद्यालय के 290 विद्यार्थियों के अलावा इस प्रतियोगिता में 6,538 अन्य विद्यार्थियों का भी चयन किया गया है। मैथमैटिक्स टीचर एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई इस प्रतिष्ठित परीक्षा में इस वर्ष देशभर के 28,772 के.वि. विद्यार्थियों ने भाग लिया था। आईओक्यूएम को देश में गणितीय प्रतिभा के मूल्यांकन की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। यह उपलब्धि केन्द्रीय विद्यालय संगठन की उस सतत शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्कृति का प्रतीक है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता और समस्या-समाधान कौशल का निरंतर विकास किया जा रहा है।

के.वि.सं. के अधिकारियों ने ली सतर्कता जागरूकता की शपथ

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर 2025: केन्द्रीय विद्यालय संगठन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस वर्ष सप्ताह का मुख्य उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण को सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान के.वि.सं. की आयुक्त सुश्री प्राची पांडेय ने के.वि.सं. (मु.) के अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही को सर्वोपरि रखें। आयुक्त ने इस अवसर पर कहा कि सामूहिक संकल्प और जागरूकता के माध्यम से के.वि.सं. निरंतर उस नैतिक आधार को मजबूत कर रहा है, जो एक कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी शिक्षा प्रणाली की दिशा में संगठन के दृष्टिकोण को साकार करता है। सप्ताह भर (27 अक्टूबर 2025 से 2 नवम्बर 2025) चले इस अभियान के माध्यम से के.वि.सं. ने यह संदेश दिया कि सतर्कता केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भविष्य के नागरिकों के चरित्र निर्माण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान के.वि.सं. के सभी अधिकारियों ने यह संकल्प लिया- हम सब एक भ्रष्टाचार-मुक्त और उत्तरदायी राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

चमकते सितारे

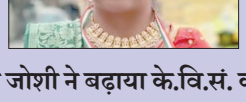

प्रात्यक्षा जोशी ने बढ़ाया के.वि.सं. का गौरव

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खरगोन की प्रतिभावान छात्रा प्रात्यक्षा जोशी ने बाल रंग राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2025 में शास्त्रीय नृत्य श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया। अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुति से उन्होंने दर्शकों और निर्णायक मंडल का मन मोह लिया, जिसके लिए उन्हें स्वर्ण पदक और विजेता का सम्मान प्रदान किया गया। प्रात्यक्षा की यह अद्वितीय उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे जिले एवं प्रदेश का मान बढ़ाने वाली भी है।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2. इम्फाल में कक्षा 11वीं के विद्यार्थी गुरुमायुम निलबिर शर्मा ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता तथा विद्यालय एवं संभाग का नाम रोशन किया। निलबिर ने "मानसिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है: युवाओं की आवाज़" विषय पर अपने उत्कृष्ट लेखन कौशल, कल्पनाशीलता और गहन संवेदना का परिचय देते हुए निबंध लेखन किया। शेयर एंड केयर मणिपुर द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में निलबिर को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में ₹10,000/- का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

के. वि. के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

अरुणाचल प्रदेश योगासन असोशिएशन द्वारा आयोजित प्रथम बोकेंटे राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता (3 से 5 अक्टूबर 2025) में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, अलोंग के विद्यार्थियों ने अनुकरणीय प्रदर्शन करते हुए संपूर्ण के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया। अपने कौशल और समर्पण का उत्कृष्ट परिचय देते हुए प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण स्थान अर्जित किया। जहां सलमान लीकर ने सब जूनियर वर्ग में रजत पदक (द्वितीय स्थान) अपने नाम किया तो वहीं मेघा रूकु ने जूनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (तृतीय स्थान) जीता।

केन्द्रीय विद्यालयों की शानदार उपलब्धि

नई दिल्ली: अनुसंधान क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर के 20 सरकारी विद्यालयों में से 18 केन्द्रीय विद्यालयों का चयन NCERT की प्रतिष्ठित "प्रयास" (युवा एवं महत्वाकांक्षी विद्यार्थियों में अनुसंधान भावना को प्रोत्साहन) पहल के तहत किया गया है, जोकि के.वि.सं. की शैक्षणिक उत्कृष्टता और विद्यार्थी प्रतिभा का शानदार प्रमाण है। यह कार्यक्रम कक्षा 9 से 11 के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा और अनुसंधान भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसके तहत विद्यार्थी STEAM आधारित परियोजनाओं के माध्यम से वास्तविक जीवन से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर कार्य कर सकेंगे। चयनित प्रत्येक परियोजना के लिए ₹50,000 का अनुदान तथा विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जिससे युवा शोधकर्ता नवाचार, सहयोग और रचनात्मक सोच की दिशा में आगे बढ़ सकें। यह सफलता केन्द्रीय विद्यालय संगठन की उत्कृष्ट शैक्षणिक दिशा एवं अनुसंधान-उन्मुख संस्कृति को दर्शाती है।

भारत की राष्ट्रपति से मुलाकात

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, बड़वानी की मेधावी और प्रतिभाशाली छात्रा भावना जगदाले ने अपनी उत्कृष्ट नवोन्मेषी क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बल पर स्पेस किड्स इंडिया द्वारा संचालित प्रतिष्ठित मिशन 'शक्तिशत' के लिए चयनित होकर के.वि.सं. परिवार का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि के तहत भावना को देशभर से चयनित 20 युवा नवोन्मेषकों के साथ राष्ट्रपति भवन में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मिलने का गौरव भी प्राप्त हुआ। वर्तमान में भावना इसरो द्वारा आयोजित 120 घंटे के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रही हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संबंधी उन्नत ज्ञान प्रदान कर रहा है।

निबंध लेखन में जीता 25,000 का इनाम

केन्द्रीय विद्यालय अम्बासा की प्रतिभावान छात्रा दिब्यांगना देब ने भारतीय डाक विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 2025 अंतरराष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता में उत्तर पूर्वी परिपत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और संभाग का नाम गौरवान्वित किया। "कल्पना करें कि आप सागर हैं विषय पर दिब्यांगना ने अपने उत्कृष्ट लेखन कौशल, कल्पनाशीलता और गहन संवेदना का परिचय देते हुए निबंध लेखन किया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें ₹25,000 का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। दिब्यांगना की इस उपलब्धि से केन्द्रीय विद्यालय अम्बासा और सिलचर संभाग गौरवान्वित है ।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पर निशाना

केन्द्रीय विद्यालय गेल झाबुआ में कक्षा 9 के विद्यार्थी प्रवीर सोलंकी ने कर्नाटक में आयोजित 13वीं जूनियर पेंचक सिलाट राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अद्वितीय उपलब्धि हासिल की। प्रवीर ने अपने दमदार कौशल, दृढ़ निश्चय और अनुशासित अभ्यास के बल पर 80 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। यह स्वर्णिम सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि प्रवीर इससे पूर्व लगातार चार वर्षों तक इसी भारवर्ग में कांस्य पदक जीतकर अपनी क्षमता और निरंतरता का परिचय दे चुके हैं।

केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी भुवनेश्वर ने विज्ञान प्रदर्शनी में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी भुवनेश्वर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और के.वि.सं. का मान बढ़ाया। यह प्रदर्शनी भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। के.वि. के विद्यार्थियों ने अपने नवोन्मेषी विचार, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया। उनके मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स ने न केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि निर्णायकों को भी प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय को यह उल्लेखनीय सम्मान प्राप्त हुआ।

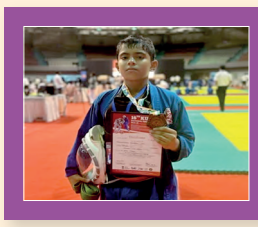

राष्ट्रीय कूडो प्रतियोगिता में अक्षयरांश ने जीता कांस्य पदक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनडोर स्टेडियम, सूरत (गुजरात) में 24 से 26 अक्टूबर 2025 तक आयोजित 16वीं कूडो नेशनल चैम्पियनशिप 2025-26 में केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 भुवनेश्वर (प्रथम पाली) में कक्षा 7वीं के छात्र अक्षयरांश बलवंत रॉय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। अक्षयरांश ने बाल वर्ग (अंडर-14), 46 किलोग्राम भार वर्ग में अपनी बेहतरीन क्षमता, कौशल और जज़्बे का प्रदर्शन कर विद्यालय के साथ-साथ पूरे केन्द्रीय विद्यालय संगठन का गौरव बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन KIFI इंडिया द्वारा किया गया, जो SAI, खेलो इंडिया, फिट इंडिया तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है।

संरक्षक: प्राची पाण्डेय, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शै.)

संपादक मंडल: डि. मणिवण्णन, संयुक्त आयुक्त (शै.)
रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी
सचिन राठौर, सहायक संपादक

सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय

सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं:
kvschronicle@gmail.com

© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।